प्रादेशिक समाचार
आकाशवाणी जयपुर–अजमेर

दिनांकः 13.11.2026 समय : 09:00 ए.एम.

00000

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत के निर्माण के लिए आधुनिक खेती और किसानों के सशक्तिकरण को महत्वपूर्ण बताया।

- पंचायत चुनाव के चौथे और अंतिम चरण के लिए प्रचार थमा–आज मतदान दलों को अंतिम प्रशिक्षण के बाद रवाना किया जायेगा।

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सभी उपभोक्ताओं को पर्याप्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए मिशन मोड पर काम करने के निर्देश दिए।

- सूर्य उपासना के पर्व डाला छठ की शुरुआत आज नहाय–खाय के साथ हो रही है।

00000

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि विकसित भारत के निर्माण के लिए कृषि का विकास, आधुनिक खेती और किसानों का सशक्तिकरण बेहद जरूरी है। नई दिल्ली में भारत कृषि सम्मेलन को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने कहा कि कृषि भारत की संस्कृति और परंपरा का हिस्सा है। प्रधानमंत्री ने विश्व बैंक के एक अध्ययन का उल्लेख करते हुए कहा कि 12 से 13 वर्ष में देश के करोड़ो लोग गरीबी से बाहर आए हैं। इस दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में भी गरीबी में उल्लेखनीय कमी आई है। इनमें छोटे किसान और खेतिहर मजदूर शामिल हैं।

00000

पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव के चौथे और अंतिम चरण के लिए कल शाम प्रचार का शोर थम गया। आज विभिन्न जिलों में मतदान दलों को अंतिम प्रशिक्षण के बाद रवाना किया जायेगा। कल कड़ी सुरक्षा के बीच संबंधित जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के लिए वोट डाले जाएंगे। इस चरण में 25 जिलों के 382 वार्डों में जिला परिषद सदस्यों और 116 पंचायत समितियों के 2 हजार 142 वार्डों में पंचायत समिति सदस्यों का चुनाव होगा। वहीं, 16 नवम्बर को 3 हजार 747 ग्राम पंचायतों में पंच और सरपंच पदों के लिए मतदान होगा। इसके अगले दिन उपसरपंचों की चुनाव प्रकिया सम्पन्न होगी। इस बीच, राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह पंचायत चुनाव पर्यवेक्षण के लिए आज भरतपुर दौरे पर रहेंगे। वे जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक कर निर्वाचन कार्यो की प्रगति और संबंधित व्यवस्थाओं की समीक्षा करेंगे। श्री सिंह मतदान बूथों का भी निरीक्षण करेंगे। इससे पहले कल हनुमानगढ़ में जिला निर्वाचन अधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने विभिन्न संवेदनशील मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया। वहीं जैसलमेर में जिले के चुनाव पर्यवेक्षक वासुदेव मालावत ने भी मतदान केन्द्रों का निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

00000

पूंजीगत निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता योजना–एसएएससीआई के तहत राजस्थान को चालू वित्त वर्ष में करीब 11 हजार 556 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि मिलने की संभावना है। इससे पहले वर्ष 2025–26 में प्रदेश को 10 हजार 548 करोड़ रूपये प्राप्त हुए थे। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने जयपुर में आयोजित बैठक में योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं और सुधार कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने सभी विभागों को निर्धारित समय–सीमा में पूंजीगत व्यय बढ़ाने और लंबित सुधार कार्य प्राथमिकता से पूरे करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कल ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के नैतिक उपयोग से जुड़े पाठ्यक्रम के क्रियान्वयन को लेकर यूनेस्को के प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक की। यूनेस्को द्वारा तैयार इस वैश्विक पाठ्यक्रम का उद्देश्य सरकारी अधिकारियों को प्रशासन और जनसेवाओं में एआई के प्रभावी, जिम्मेदार और नैतिक उपयोग के लिए प्रशिक्षित करना है।

00000

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ऊर्जा विभाग के अधिकारियों को घरेलू उपभोक्ताओं, किसानों और उद्योगों को पर्याप्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए मिशन मोड पर काम करने के निर्देश दिए हैं। कल जयपुर में विभाग की समीक्षा बैठक में उन्होंने बताया कि राज्य सरकार के प्रयासों से प्रदेश ने अन्य राज्यों को करीब दो हजार करोड़ रुपये की बिजली बेची है। उन्होंने कहा कि अब 28 जिलों के 13 लाख 56 हजार से अधिक किसानों को दिन में बिजली मिल रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि पीएम कुसुम योजना के घटक ए और सी में राजस्थान देश में पहले स्थान पर है। इनसे 3 लाख 89 हजार से अधिक किसान लाभान्वित हुए हैं। उन्होंने अक्षय ऊर्जा उत्पादन बढ़ाने, बिजली छीजत कम करने और भंडारण क्षमता विकसित करने पर भी जोर दिया।

0000

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने राजकीय संग्रहालयों के पुनर्विकास कार्यों में गुणवत्ता के निर्धारित मानकों की सख्ती से पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने जयपुर के पर्यटन भवन में पुरातत्व और संग्रहालय विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर निर्माण और विकास कार्यों की समीक्षा की। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कार्यों में किसी भी तरह की लापरवाही या गुणवत्ता से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राजकीय संग्रहालय प्रदेश की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर हैं। इनके संरक्षण, संवर्धन और बेहतर विकास से आने वाली पीढ़ियों को राजस्थान की समृद्ध विरासत और गौरवशाली इतिहास से परिचित कराया जा सकेगा।

0000

सूर्य उपासना के पर्व डाला छठ की शुरुआत आज नहाय–खाय के साथ हो रही है। यह पर्व सूर्य देव और छठी मैया को समर्पित है। इस दौरान श्रद्धालु पूरी पवित्रता और साफ–सफाई का ध्यान रखते हुए व्रत और पूजा–अर्चना करते हैं। नहाय–खाय के दिन श्रद्धालु स्नान करने के बाद स्वच्छता के साथ प्रसाद तैयार करते हैं। परंपरा के अनुसार, इस दिन कद्दू–भात बनाया जाता है। इसी के साथ चार दिवसीय छठ पर्व की शुरुआत होती है। पर्व के दूसरे दिन खरना मनाया जाएगा। इस दिन श्रद्धालु पूरे दिन उपवास रखेंगे और शाम को पूजा–अर्चना के बाद प्रसाद ग्रहण कर व्रत खोलेंगे। इसके बाद निर्जला व्रत शुरू होगा। तीसरे दिन श्रद्धालु शाम को नदियों, तालाबों और अन्य छठ घाटों पर एकत्र होंगे। इस दौरान छठी मैया की पूजा की जाएगी और डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। छठ पर्व का समापन सोमवार की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ होगा। प्रदेश में भी विभिन्न स्थानों पर छठ पर्व को लेकर उल्लास का माहौल है। पाली सहित अन्य जिलों में नहाय खाय की परम्परा के साथ विभिन्न अनुष्ठान किये जा रहे है।

0000

अंतरराष्ट्रीय पुष्कर मेले और आगामी उर्स पर्व के दौरान अजमेर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा, सुविधा और भीड़ प्रबंधन के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। अजमेर रेल मंडल ने स्टेशन को संवेदनशील श्रेणी में रखते हुए व्यापक व्यवस्थाएं की हैं। मंडल रेल प्रबंधक राजू भूतड़ा ने बताया कि अजमेर स्टेशन पर सामान्य दिनों में रोजाना करीब 54 हजार यात्री आवागमन करते हैं। दीपावली और छठ पूजा के दौरान पिछले दो–तीन दिनों में यात्रियों की संख्या बढ़कर 91 हजार तक पहुंच गई। वहीं, 5 दिसंबर से शुरू होने वाले उर्स पर्व के दौरान प्रतिदिन करीब एक लाख यात्रियों के आने–जाने की संभावना है।

....

0000